Raj Express (Indore), 31st August 2026, Page – 04

सेमीनार

आईआईटी इंदौर में संवर्धन क्षमता निर्माण कार्यशाला

मानसिक स्वास्थ्य, सुदृढ़ता और कल्याण पर दिया जोर

इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत च्संवर्धनः शैक्षणिक उत्कृष्टता से सतत कल्याण की ओर'' विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला की शुरुआत रविवार से आईआईटी इंदौर में हुई। मध्य एवं पश्चिमी क्षेत्र के लिए आयोजित कार्यशाला में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, पंजाब और मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि सहभागिता कर रहे हैं। कार्यशाला का उद्देश्य स्वस्थ, सहयोगात्मक और परस्पर जुड़े हुए उच्च शिक्षा परिवेश के निर्माण के लिए संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करना है। इसमें सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, सुदृढ़ता निर्माण, विद्यार्थी कल्याण व सशक्त एवं जुड़े हुए परिसरों पर समग्र रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। कार्यक्रम में संस्थागत नेतृत्वकर्ता, संकाय सदस्य, छात्र कार्य से जुड़े पेशेवर, परामर्शदाता, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ व सहभागी संस्थानों के प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित होकर अपने अनुभव साझा कर रहे हैं और विद्यार्थी कल्याण को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित कर रहे हैं। कार्यशाला की कार्यप्रणाली में विशेषज्ञों के साथ संवाद, प्रतिभागियों का विचार-मंथन, पुनरावलोकन तथा फीडबैक शामिल हैं, जिससे अनुभवात्मक एवं सहयोगात्मक अध्ययन को बढ़ावा मिलता है।



यह हुए शामिल

उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर श्रीवत्सन वासुदेवन, कार्यवाहक निदेशक, आईआईटी इंदौर, देवेंद्र कुमार शर्मा, निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग (ऑनलाइन), डॉ. जितेंद्र नागपाल, प्रभारी निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड लाइफ स्किल्स प्रमोशन, नई दिल्ली एवं निदेशक, एक्सप्रेशंस इंडिया ओर डॉ. जितेंद्र त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) सहित अन्य अतिथियों व सहभागी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

संस्थागत कल्याण संबंधी पहल

पहले दिन उच्च शिक्षण संस्थानों के मनोसामाजिक परिदृश्य, संस्थागत कल्याण संबंधी पहल, सामाजिक जुड़ाव व परस्पर जुड़े परिसरों, प्रारंभिक पहचान ओर आवश्यक हस्तक्षेप को सुगम बनाना, जीवन-कौशल आधारित सहपाठी मार्गदर्शन तथा जीवनशैली से संबंधित स्थितियों की रोकथाम जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। छात्रावास का विशेष भ्रमण एवं अनुभव-साझाकरण सत्र भी आयोजित किया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को संस्थागत कार्यप्रणालियों को समझने ओर विद्यार्थी कल्याण से संबंधित विचारों एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित न रहे संस्थान

इस पहल के संबंध में कार्यशाला में इस आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया कि संस्थानों को केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित न रहकर ऐसे समग्र संस्थागत परिवेश के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, जहां विद्यार्थी सीखने, परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने, जुड़ने और निरंतर प्रगति करने के लिए आवश्यक सहयोग प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम क्षेत्र के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सतत संस्थागत प्रयासों को बढ़ावा देने ओर सहयोगात्मक अध्ययन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

आज के चर्चा का विषय

दूसरे दिन में चेतावनी संकेतों की पहचान, विशिष्ट अध्ययन अक्षमताओं, मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम, छात्रावास पारिस्थितिकी तंत्र व मार्गदर्शन नेटवर्क जैसे विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। कार्यशाला के समापन चरण में सहभागी संस्थानों द्वारा संस्थागत/ विश्वविद्यालय कल्याण संकेतकों, अंतिम अनुशंसाओं एवं कार्ययोजनाओं का विकास किया जाएगा, जिसके पश्चात समापन सत्र आयोजित होगा।